

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी कामां (१)

लोक अदालत/कैम्प कोर्ट ग्राम पंचायत नौनेरा

पीठासीन अधिकारी सुरेश कुमार यादव R.A.S.

मुकदमा नं०. 102/2017 राजस्व वाद

सुरेश पुत्र गुलाबचन्द जाति जाट निवासी नौनेरा तहसील कामां जिला भरत

बनाम

३. बलवीर पुत्र परसादी जाति बैरागी निवासी नौनेरा तहसील कामां जिला भ

दावा अन्तर्गत धारा

निर्णय

दिनांक 0

वादी ने यह वाद राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा, 1

आराजी का पेश किया है कि आराजी ख० नं० 322/0.16, वाके ग्राम नौनेरा

आराजी की आराजी मुतदाविया पर रिकार्ड खातेदार काश्तकार है । तथा प्रतिवादी

आराजी पर किसी प्रकार का कोई सम्बन्ध नहीं है । प्रतिवादी झगडालू किस्म का

प्रतिवादी वादी की खातेदारी की आराजी पर जबरन दखल करता है और व

जिसका नाजायज फायदा उठाकर प्रतिवादी नाजयज कब्जा

करता है । प्रतिवादी वादी की दक्षिण दिशा की आराजी की तरफ से जबरन अ

वादी को बेदखल करना चाहता है । जिसने कई बार जबरन कब्जा ना करने के

निवेदन किया लेकिन प्रतिवादी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है । प्रतिवादी

20.08.2017 को एलानिया धमकी दी कि मैं जल्दी ही वादी की आराजी पर नाजाय

कब्जा वादी को बेदखल कर दूंगा । रोका तो जान से खत्म कर दूंगा । प्रतिवादी

जिसकी भरे इरादे मे कामयाब हो गया तो वादी को अपरमित क्षति होगी । जिसकी

कोई न्यून कदापि नहीं हो सकेगी । विधि वजह वादी विरुद्ध प्रतिवादी को बिक

जिसकी दबानी से पाबन्द कराने का अधिकारी है ।

वाद वादी दर्ज रजिस्टर किया जा कर दावा की जबाव देही हेतु प्रतिवादी

आवाज लालब किया गया प्रतिवादी मय अधिवक्ता उपस्थित अदालत आये । मुझ प्रि

आवाज के पक्ष में दिनांक 22.05.15 के ~~से~~ वर्तमान वादी के बाबा शेरसिंह के विरुद्ध वि

विधि चालित होने के उपरान्त डिक्री की अनुपालना में दिनांक 25.01.2017 को प्रति

आवाज की आराजी ख० नं० 322 में ख० नं० 323 प्रतिवादी की खातेदारी का है । वा

आवाज कर मिलाने जाने की तथ्य की पुष्टि होने व खसरा नम्बर 323 प्रतिवादी

आवाज मुक्त करा कब्जा प्रतिवादीगण को लिये जाने के बाबजूद वादी ने पुनः

आवाज की पौध को नष्ट करने के प्रयास पर प्रतिवादी ने दिनांक 30.6.17 को प

संज्ञी । विधि वजह वादी विरुद्ध प्रतिवादी को बिकी हुक्म इन्तनाई व
का अधिकारी है ।

वाद वादी दर्ज रजिस्टर किया जा कर दावा की जबाव देही हेतु
मनन तलब किया गया प्रतिवादी मय अधिवक्ता उपस्थित अदालत आ
अन्य के पक्ष में दिनांक 22.05.15 कसे वर्तमान वादी के बाबा शेरसिंह व
डिकी पारित होने के उपरान्त डिकी की अनुपालना में दिनांक 25.01.20
खातेदारी आराजी ख0नं0 322 में ख0नं0 323 प्रतिवादी की खातेदारी क
अतिभ्रमण कर मिलाने जाने की तथ्य की पुष्टि होने व खसरा नम्बर 32
अतिभ्रमण मुक्त करा कंबजा प्रतिवादीगण को लिये जाने के बाबजूद वादी
की वान की पौध को नष्ट करने के प्रयास पर प्रतिवादी ने दिनांक 30.6.
सहायता प्राप्त करने हेतु एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 151 सीपीसी श्री
किया जो आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश के साथ , उनके पत्रंक 8
का प्रेषित किया जा चुका है उसकी छाया प्रति जबाव दावे के साथ सल
वर्तमान दावा तथ्यों को तोड मरोड कर रखे हुए न्याय प्रक्रिया को वाधित
न दूषित मन से किया गया प्रयास है । वाद स्वच्छ हाथों , स्वच्छ मन व
किये जाने के कारण प्राथमिक स्तर पर ही निरस्त किये जाने योग्य है ।
खातेदारी की आराजी खसरा नम्बर 322 की पैमायश करा सकता था जो
नष्ट जबाव दावा पेश कर निवेदन है कि दावा वादीगण खारिज फरमाया

आज न्याय आपके द्वार ग्राम पंचायत नौनेरा में पेश हुई । बहु
जाकर पत्रावली का अवलोकन किया गया । उपलब्ध दस्तावेजों का मनन
कामों को लिखा जावे कि दोनों पक्षों में उपस्थिति में विवादित खसरा नम्
क पैमायश कर सीमाकन करना । तथा पक्षकारान को हिदायत दी जावे
आराजी पर काबिज रह कर काश्त करना उचित समझते हैं । इस आश
कर तहसीलदार कामों को भेजा जावे ।

अतः आदेश है कि -

तहसीलदार कामों को आदेश दिया जाता है कि दोनों पक्षों की उपरि
खसरा नम्बर 322 रकवा 0.16 के पैमायश कर सीमाकन करें । तथा पक्षक
की जावे कि अपनी अपनी आराजी पर काबिज रह कर काश्त करें । इस
संघार कर तहसीलदार कामों को भेजा जावे । प्रकरण फैसल शुमार होकर
जाकर दाद तकमील तामील दाखिल दफतर हो ।

(सुरेश
सहायक
उपखण्ड 3
कोटा 1978)